आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-11, भोपाल, सोमवार, 10 अप्रैल से 16 अप्रैल 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

मिशन ओडिशा में जुटी BJP, भुवनेश्वर की कार्यकारिणी बैठक में मोदी का भव्य स्वागत

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा के भुवनेश्वर पहुंच गए हैं. यहां वो बीजेपी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे हैं. पीएम मोदी एयरपोर्ट से सीधे राजभवन पहुंचे. इस दौरान पीएम मोदी के स्वागत के लिए सड़क पर भारी भीड़ जमा थी.

इसके बाद पीएम मोदी ने भुवनेश्वर में रोड शो भी किया. इस रोड शो में भारी संख्या में लोग सड़कों पर उमड़े. पीएम मोदी ने भी गाड़ी से बाहर निकलकर लोगों का अभिनंदन किया. यहां से पीएम मोदी का काफिला जनता मैदान पहुंचा, जहां बीजेपी कार्यकारिणी की बैठक चल रही है.

बता दें कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आज भुवनेश्वर में शुरू हो गई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ओडिशा समेत कोरोमंडल क्षेत्र में पार्टी के प्रभाव बढ़ाने की रूपरेखा पेश कर सकते हैं. यहां पार्टी पारंपरिक तौर पर कमजोर मानी जाती है. राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अमित शाह ने कहा कि लोग कहते हैं कि यह भाजपा का स्वर्णिम समय है पर मैं कहता हूं कि स्वर्णिम समय तब आएगा जब केरल, बंगाल, ओडिशा आदि राज्यों में भाजपा की सरकार होगी. अब जब हमें लगातार विजय मिल रही है तब हमारे अंदर आलस्य का निर्माण न होने पाए, बल्कि विस्तार की प्यास हमें परिश्रम की पराकाष्ठा की प्रेरणा दे.

1997 में हुई थी भुवनेश्वर बैठक :

इससे पहले बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 19 दिसंबर से 21 दिसंबर तक 1997 में भुवनेश्वर में ही हुई थी. बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद 26 दिसंबर को बीजू पटनायक ने जनता दल से अलग बीजेडी का गठन किया था और 1998 के लोकसभा चुनाव में बीजेडी ने बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए साथ मिलकर चुनाव लड़ा था. नवीन पटनायक नेतृत्व में 2000 में एनडीए की सरकार ओडिशा में बनी थी. 2009 के लोक सभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर गठबंधन टूट गया था. लेकिन दो महीने पहले उड़ीसा नगरपालिका और निकाय के चुनाव में जनता का समर्थन मिला. 2012 के नगर पालिका और निकाय के चुनाव में बीजेपी को 36 सीटें ही मिली थीं. इस साल सम्पन्न हुए चुनाव में भाजपा को 850 सीट में से 306 सीटें मिलीं. इस चुनाव में बीजेडी को भी 191 सीटों का और कांग्रेस को 60 सीटों का नुकसान हुआ.

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया ने दुनिया को दिखाई अपनी ताकत

प्योंगयांग। संस्थापक किम इल सुंग की 105 वीं जयंती पर आयोजित भव्य समारोह में उत्तर कोरिया ने अंतर महाद्वीपीय मिसाइल (आइसीबीएम) का भी प्रदर्शन किया। वहां की सेना का दावा है कि यह मिसाइल करीब चार हजार किलोमीटर की दूरी पर स्थित अमेरिका तक पहुंच सकती है। राजधानी प्योंगयांग में आयोजित परेड में हजारों सैनिकों ने भारी साजो-सामान के साथ शिरकत की और तानाशाह किम जोंग उन को सलामी दी। समारोह में अमेरिका की तरफ से हमला होने पर परमाणु हथियार से जवाब देने की धमकी दी गई। इस कार्यक्रम की कवरेज के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पत्रकार प्योंगयांग आमंत्रित किये गए थे। इससे पहले सुंग के पौत्र किम जोंग अपनी लिमोजिन कार से समारोह स्थल पर पहुंचे। काले सूट में किम जोंग पूरी तरह तनावमुक्त थे और हंस-हंसकर अधिकारियों से बात कर रहे थे। मंच पर पहुंचकर उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ताली बजाकर सैन्य बलों के जवानों का उत्साह बढ़ाया। वह छठे परमाणु परीक्षण या मिसाइल परीक्षण के आसार से बने तनाव के माहौल से पूरी तरह से बेफिक्र लगे। अमेरिका ने इसी परीक्षण की आशंका से कोरियाई प्रायद्वीप में विमानवाहक युद्धपोत यूएसएस कार्ल विंसन के नेतृत्व में हमलावर बेड़ा तैनात किया है।

कुलभूषण पर बढ़ी तना-तनी, भारत ने रद्द की PAK संग समुद्री वार्ता

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के साथ समुद्री सुरक्षा पर 17 अप्रैल को प्रस्तावित द्विपक्षीय वार्ता रद्द कर दी है. भारतीय तटीय सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने शनिवार को ये जानकारी दी. पाकिस्तानी समुद्री सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मछुआरों और समुद्र में तलाशी एवं बचाव अभियानों से जुड़े मुद्दों पर भारतीय तटरक्षक के साथ चर्चा के लिए नई दिल्ली आने वाला था. पाकिस्तान की सैन्य अदालत द्वारा भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव को जासूसी के आरोप में फांसी सुनाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आए तनाव के बाद भारत ने ये वार्ता रद्द करने का फैसला किया है. पाकिस्तान ने शुक्रवार को जाधव के साथ संपर्क करने के भारतीय उच्चायोग के 14वें अनुरोध को ठुकरा दिया और फिर से कहा है कि जाधव को पाकिस्तान के कानून के अनुसार ही सजा सुनाई गई है।

करीना कपूर ख़ान के एक्स जीजा ने चुपके से रचाई शादी

मुंबई। एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर लंबे समय से गर्लफ्रेंड प्रिया सचदेव के साथ दिखाई दे रहे थे। अब नई खबर ये है कि दोनों ने शादी कर ली है। मतलब करीना कपूर के एक्स जीजा ने शादी रचाई है। एक्ट्रेस करिश्मा कपूर और उनके एक्स हसबैंड संजय कपूर का तलाक हो चुका है। इनसे जुड़ी अब नई खबर ये आई है कि, संजय कपूर ने अपनी गर्लफ्रेंड प्रिया सचदेव के साथ शादी कर ली है। खास खबर ये है कि, इन दोनों ने गुपचुप तरीके से शादी की है जिससे किसी को कानो कान खबर न हो। बताया जा रहा है कि, दोनों ने रजिस्टर्ड मैरिज की है। मिली जानकारी के मुताबिक इस मौके पर सिर्फ घर के सदस्य और कुछ करीबी दोस्त मौजूद थे। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि ये कपल जल्द न्यूयॉर्क में एक सेरेमनी करेगा। आपको बता दें कि, पिछले महीने से ही ये खबरें आ रही थीं कि संजय और प्रिया शादी करने वाले हैं। लेकिन शादी की डेट नहीं बताई गई थी। बताते चलें कि, संजय और प्रिया न्यूयोर्क में मिले थे। पिछले करीब 5 सालों से दोनों का अफेयर है।

मेरठ-लखनऊ राज्य रानी एक्सप्रेस के आठ डिब्बे रामपुर के पास पटरी से उतरे, दो घायल

नई दिल्ली। मेरठ-लखनऊ राज्यरानी एक्सप्रेस के आठ डिब्बे शनिवार को उत्तर प्रदेश में रामपुर के पास पटरी से उतर गए जिसमें कम से कम दो लोग घायल हो गए. उत्तर रेलवे के प्रवक्ता नीरज शर्मा ने बताया कि हादसा मुण्डा पांडे और रामपुर रेलवे स्टेशन के बीच हुआ. उन्होंने बताया कि हादसे में दो यात्री - अमित कटियार और मेघ सिंह घायल हुए हैं लेकिन इसमें किसी के मारे जाने की सूचना नहीं है. रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने घायल यात्रियों के लिए 50,000-50,000 रुपये के मुआवजे की घोषणा की और साथ ही दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं. उन्होंने ट्विटर पर लिखा, "व्यक्तिगत तौर पर स्थिति पर नजर रख रहा हूं. वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर जाने के आदेश दिए हैं. वे त्वरित राहत एवं बचाव अभियान सुनिश्चित करेंगे." प्रभु ने कहा कि घटना में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. प्रवक्ता ने बताया कि मुरादाबाद मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं. चिकित्सक दल भी मौके पर पहुंच गया है. रेलवे ने यात्रियों एवं उनके परिजनों के बीच बातचीत कराने के लिए अलग अलग स्टेशनों पर हेल्पलाइन नंबर शुरू किए हैं. ये हेल्पलाइन नंबर इस तरह हैं ~ मेरठ (0121-2401215), नई दिल्ली (011-23341074, 23342954), पुरानी दिल्ली (011-23962389, 23967332), निजामुद्दीन (011-24359748), मुरादाबाद (1072), बरेली (0581-2558161, 2558162), लखनऊ (0979430975, 05222-37677). हालांकि इससे पहले रामपुर में पुलिस अधिकारियों ने हादसे में 15 यात्रियों के घायल होने और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराए जाने की जानकारी दी थी. रामपुर के पुलिस अधीक्षक ने कहा था कि सात लोगों को प्राथमिक चिकित्सा उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी और गंभीर रूप से घायल हुए तीन यात्री खतरे से बाहर हैं.

योगी सरकार ने भी किया मुआवजे का ऐलान : उत्तर प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि आदित्यनाथ ने भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों के लिए 50,000 रुपये जबकि मामूली रूप से घायल हुए यात्रियों के लिए 25,000 रुपये के मुआवजे की घोषणा की. प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सिंचाई राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख को घटनास्थल पर पहुंच कर आर्थिक मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर करने के निर्देश दिये हैं।

आर्मी पत्थर खाए तो कुछ नहीं, जीप से बांधा तो परेशानी हो गई: योगेश्वर दत्त

पानीपत। जम्मू-कश्मीर में सेना की जीप पर कश्मीरी युवक को बांधकर घुमाने वाले वीडियो पर रेसलर योगेश्वर दत्त ने ट्वीट किया। योगेश्वर ने लिखा, 'बाढ़ से बचाओ, फिर पत्थर खाओ तब तक कुछ लोगों को परेशानी नहीं है, अब जब सेना ने मारा नहीं बस हाथ-पैर बांध दिए तो अब उन्हें अच्छा नहीं लग रहा।' बता दें कि एक वीडियो में सेना की जीप पर बंधा कश्मीरी युवक दिखाई पड़ा था। आर्मी स्पोक्सपर्सन ने कहा कि इस वीडियो की जांच चल रही है। इस शख्स का दावा है कि वो बाई इलेक्शन में वोट डालकर लौट रहा था। एसी रूम में बैठकर सनसनी नहीं फैलाते-योगेश्वर...

- ओलिंपिक मेडल विजेता योगेश्वर ने तीन ट्वीट किए। अगले ट्वीट में उन्होंने लिखा, 'जो लोग पूछ रहे हैं कि कौन कितनी बार कश्मीर गया है, तो बता दूं कि मैं एसी रूम में बैठ कर सनसनी नहीं फैलाता, हरियाणा के हर घर से एक आर्मी में जाता है।'

- तीसरे ट्वीट में लिखा, 'जब ऐसे हालात देखने पड़ते हैं, तो पड़ोस में रहने वाले बचपन के साथियों के लिए मन खराब होता है। देश के सम्मान बचाते हुए उनका अपमान हो रहा है।

श्रीनगर लोकसभा उपचुनाव में जीते फारुख अब्दुल्ला, पीडीपी से छीनी सीट

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रमुख विपक्षी दल नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला श्रीनगर लोकसभा उपचुनाव में जीत गए हैं। कांग्रेस व नेकां के साझा उम्मीदवार फारुख अब्दुल्ला अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सत्ताधारी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नजीर अहमद खान को हराया।

चुनाव जीतने के बाद फारुख अबदुल्ला ने जनता का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने इसे सबसे खराब चुनाव बताते हुए कहा कि नतीजों से पता चलता है जनता नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ है। फारुख ने केंद्र सरकार और राष्ट्रपति से राज्य में राज्यपाल शासन लगाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि राज्य में फिर से चुनाव कराए जाने चाहिए। श्रीनगर संसदीय सीट के उपचुनाव के तहत नौ अप्रैल को मतदान हुआ था। इस दौरान हुई हिंसा के बाद 13 अप्रैल को जिला बडगाम में 38 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कराया गया। पूरे संसदीय क्षेत्र में लगभग 7.13 प्रतिशत मतदान हुआ है। एक लाख से कम मतदाताओं ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लिया है। इस उपचुनाव में फारुख और नजीर खान समेत 9 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। मतगणना के लिए सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए गए थे। मतगणना में किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए संबंधित प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियों को शुक्रवार को ही अंतिम रूप दे दिया। डल झील के किनारे स्थित एसकेआइसीसी परिसर के भीतर ही नहीं बाहर भी सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया गया।

नदी में मिलने वाली गंदगी रोकने का इंतजाम नहीं

सरस्वती नदी के दौरे की रिपोर्ट एनजीटी में पेश

इंदौर। दो महीने पहले सरस्वती नदी का निरीक्षण करने वाली नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की टीम ने अपनी रिपोर्ट एनजीटी को सौंप दी है। इसमें कहा गया है कि नदी में मिलने वाले ठोस कचरे को रोकने के इंतजाम पर्याप्त नहीं हैं। तेजपुर गड़बड़ी, मच्छी बाजार सहित कई इलाकों में नदी के दोनों किनारों पर अतिक्रमण हैं, लेकिन इसे हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। टीम ने यह भी माना कि नदी के विकास का काम अब तक शुरू ही नहीं हुआ। नदी सफाई को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता किशोर कोडवानी ने एनजीटी में याचिका लगाई है। एनजीटी की टीम ने 26 फरवरी को सरस्वती नदी का दौरा कर इसकी सफाई के इंतजामों का जायजा लिया था।

टीम में एनजीटी के रजिस्ट्रार संजय शुक्ला, सरकारी वकील, याचिकाकर्ता, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन मंडल और नगर निगम के अधिकारी शामिल थे।

याचिकाकर्ता के मुताबिक रिपोर्ट में यह कहा गया

– सरस्वती नदी में राजीव गांधी चौराहा, तेजपुर गड़बड़ी, बिजलपुर पुलिया, बद्री बाग, मच्छी बाजार आदि स्थानों पर सीवरेज बह रहा है। राजीव गांधी चौराहे के पास चल रहे एक मैरिज गार्डन का कचरा नदी में बहाया जाता है। जलकुंभी से ढंकी नदी के पानी की प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच की थी। इसमें ऑक्सीजन कम पाया गया।

–बिजलपुर में दो नाले नदी में मिल रहे थे। केसरबाग के पास भी एक नाला नदी में मिल रहा था। मच्छी बाजार के पास आवासीय इलाके का ठोस कचरा नदी में फेंका जाता है। इसकी जांच का कोई इंतजाम निगम ने नहीं किया।

–निगर निगम ने सीपी शेखर नगर से झुग्गियां तो हटा दीं, लेकिन कचरा अब भी वहीं पड़ा है।

–तेजपुर गड़बड़ी, मच्छी बाजार सहित कई इलाकों में नदी के दोनों किनारों पर अतिक्रमण हैं, लेकिन इन्हें हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

–जांच में यह पाया गया कि नदी के विकास का काम अब तक शुरू ही नहीं हुआ। –नदी के दोनों ओर बड़े पैमाने पर पौधे लगाने की आवश्यकता है।

12 हजार पुलिस जवानों की भर्ती की जाएगीः शिवराज सिंह

इंदौर। यह भवन पुलिस के जवानों के लिये ही नहीं वरन उन भांजे-भांजियों के लिये बना रहे हैं जो अपने पिता-पुत्र, भाई-बहन आदि को पुलिस की नौकरी के माध्यम से समाजसेवा के लिये क्रियाशील और उर्जावान रखते हैं। एक पुलिस जवान जब जागता है तब समाज का प्रत्येक व्यक्ति त्यौहार, शादी समारोह आदि शांतिपूर्वक तरीके से मना पाता है, समाज चैन से तब सो पाता है, जब पुलिस जवान रात्रि में जागकर गश्त करता है। सेवा का इससे बड़ा उदाहरण नहीं है। यह बात मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने पुलिस हाउसिंग बोर्ड कार्पोरेशन के महेश गार्ड लाइन स्थित 15वीं बटालियन में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में कही। सीएम ने कहा कि पुलिस जवान की सतर्कता से ही समाज में शांति, व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनी रहती है। मध्यप्रदेश की पुलिस ने अभूतपूर्व कार्य किये हैं। इसमें सबसे प्रमुख कार्य चम्बल के बीहड़ों को डाकू विहीन कर विकास के नये मार्ग तैयार करना हैं। अब चम्बल में डाकू नहीं विकास का रोडमैप तैयार हो रहा है। मध्यप्रदेश पुलिस की यह सबसे बड़ी सफलता है कि मध्यप्रदेश में नक्शलवाद को फैलने नहीं दिया और नक्सलियों को मध्यप्रदेश की सीमा के बाहर ही रोक दिया है।

हटेगी विवाह पर लगी रोक, 34 दिन बजेगी शहनाई

इंदौर। खरमास के चलते मांगलिक कार्यों पर लगी एक माह की रोक हटेगी और 16 अप्रैल से एक बार फिर मांगलिक आयोजनों की शुरुआत होगी। इस चार माह के वैवाहिक सीजन में 34 दिन शहनाई बजेगी। इस दौरान अबूझ मुहूर्त में से एक माने जाने वाले अक्षय तृतीया पर भी बड़ी संख्या में जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। पं. ओम वशिष्ठ के अनुसार 14 मार्च को खरमास की शुरुआत हुई थी। इसके चलते शादी, जनेऊ, मुंडन, कर्ण छेदन, गृह प्रवेश आदि मांगलिक कार्यों पर विराम लग गया था। 14 अप्रैल को खरमास के समाप्ति के साथ ही मांगलिक कार्यों पर लगा विराम भी समाप्त हो गया है। देवशयनी एकादशी तक विवाह के 34 शुद्ध मुहूर्त है। इसमें अप्रैल में 7, मई व जून में 12-12 और जुलाई में 3 मुहूर्त शामिल है। 4 जुलाई को देवशयनी एकादशी होगी। साथ ही चार माह के लिए भगवान शयन पर चले जाएंगे। इसके चलते शादियां नहीं हो सकेगी। 6 नवंबर से पुनः वैवाहिक आयोजनों की शुरुआत होगी।

भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह सम्पन्न

आगर। कुंडला मे आगर विधायक श्री गोपाल परमार के मुख्य आतिथ्य में 126 वी जयंती मनाई गई आगर मालवा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह कार्यक्रम ने कुंडला में आगर विधायक 'श्री गोपाल जी परमार' के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम में 'विधायक जी ने' बाबा साहब भीमराव जी अंबेडकर के जीवन एवं उनके विचारों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्री भैरू सिंह जी चौहान ने की विशेष अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री कैलाश जी गवली भाजपा मंडल महामंत्री श्री हुकम सिंह जी गुर्जर श्री गणपत जी जाधव थे।

कार्यक्रम में 'विधायक जी' द्वारा 'श्री देवी लाल जी बघेल' कुंडला खेड़ा को अंबेडकर भवन निर्माण के लिए उनको 'एक बीघा जमीन' दान करने पर सम्मानित किया गया ,डॉ श्री नारायण सिंह जी बगाना को समाज सेवा के कार्यों के लिये सम्मानित किया गया श्री कान्हा जी को उन्नत खेती के लिए को सम्मानित किया गया कार्यक्रम

का संचालन श्रीरामचंद्र जी मेंहलका का द्वारा किया गया।

योजना

'अब पेट भरने की चिन्ता नहीं'

दीनदयाल रसोई योजना गरीबों के लिये बनी वरदान

उज्जैन। राज्य शासन द्वारा अप्रैल माह से शुरू की गई दीनदयाल रसोई योजना गरीबों के लिये वरदान बन गई है। उनको पेट भरने की चिन्ता नहीं रही। मात्र पांच रूपये में भरपेट भोजन का आनन्द उठा रहे हैं उज्जैन में नानाखेड़ा बस स्टेण्ड स्थित अटल रैन बसेरे में दीनदयाल रसोई भोजन केन्द्र पर रोजाना करीब 250 गरीब व्यक्ति इस सस्ते भोजन का लाभ ले रहे हैं। ये लोग मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद देते नहीं थकते हैं। मुख्यमंत्री ने उनको पेट भरने की चिन्ता से मुक्त जो कर दिया है। यदि आप नानाखेड़ा बसस्टेण्ड के इस रसोई केन्द्र पर पहुंचते हैं, तो आपको यहां भोजन के लिये लोग लाईन में लगकर अपना कूपन लेते दिखाई देंगे। अन्दर बैठकर भोजन करने की भी माकूल व्यवस्था है। एक बार में लगभग 20 से 25 लोग बैठकर आराम से भोजन कर सकते हैं। इसके लिये सीटिंग बैंच और टेबलों का इंतजाम किया गया है।

गरीबों के लिये समय निकालकर निःशुल्क सेवा दे रहे हैं : उज्जैन में नानाखेड़ा के अलावा

जिला चिकित्सालय, सिद्धवट धर्मशाला तथा कृषि उपज मंडी में भी दीनदयाल रसोई केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। भोजन बनाने का कार्य जिला चिकित्सालय स्थित मुख्य रसोई शाला में किया जा रहा है। यहां पर आधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। रोटी पकाने और आटा गूंथने की मशीनें लाई गई हैं, जिनसे कम समय में ज्यादा कार्य संभव हो पा रहा है। उज्जयिनी सेवा समिति को प्रशासन द्वारा इस योजना के संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। उज्जैन के चारों रसोई केन्द्रों पर यह एक उल्लेखनीय बात है कि नगर के लोग अपना समय निकालकर निश्शुल्क सेवाएं इन केन्द्रों पर दे रहे हैं। ये लोग कूपन वितरण, बैठक व्यवस्था, भोजन की थाली बनाने से लेकर परोसने तक का कार्य निस्वार्थ सेवाभाव से कर रहे हैं। नानाखेड़ा रसोई केन्द्र पर जल संसाधन विभाग के सेवा निवृत्त कर्मचारी सेठी नगर के श्री अनिल माधव, समाजसेवी श्री प्रकाश चित्तौड़ा, सेवा निवृत्त शिक्षिका वेद नगर की सुश्री अचला जोशी जैसे सेवाभावी व्यक्ति मानवसेवा में रत होकर रोजाना आते हैं। वे इस केन्द्र पर भोजन परोसने सम्बन्धी कई कार्य हृदय-भाव से कर रहे हैं। यह सेवा दूसरों के लिये भी अनुकरणीय है। कोई भी व्यक्ति इन केन्द्रों पर आकर अपनी सेवा कुछ घंटों के लिये दे सकता है। नानाखेड़ा केन्द्र पर 05 कर्मचारी अल्प-वेतन पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें गायत्री निमरोद, मनोरमा तथा नगेन्द्र गुप्ता जैसे कर्मचारी तन-मन से गरीबों के लिये कार्य कर रहे हैं। केन्द्र पर सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। एक कर्मचारी समय पर बर्तन धोने का कार्य कर रहा है।

कोलकाता से आये, उतरते ही भोजन मिला : नानाखेड़ा बसस्टेण्ड पर बनाया गया दीनदयाल रसोई केन्द्र बाहर से उज्जैन आने वाले व्यक्तियों के लिये बेहतरीन सेवा का उदाहरण बना है। कई गरीब व्यक्ति जो मजदूरी या अन्य कार्य से उज्जैन आते हैं, उनको उतरने के साथ ही भूख लगने पर सस्ते भोजन का लाभ मिल रहा है। कोलकाता से आये मण्डल बनर्जी तथा सुदीप मुजूमदार जो 12 अप्रैल को उज्जैन किसी कार्यवश आये थे, उन्होंने बस से उतरकर इस भोजन केन्द्र का लाभ लिया। वे इस योजना की सराहना करते हुए नहीं थके। उन्होंने कहा कि मात्र 05 रूपये में भरपेट सुस्वादु, पौष्टिक भोजन मिलना अत्यन्त सुखद है।

कृषि आय को दोगुना करने का म.प्र. का रोडमेप अन्य राज्यों का मॉडल होगा

श्री चौहान ने प्रस्तुतिकरण तैयार करने के अधिकारियों को दिये निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश के किसानों की आय को दोगुना करने का रोडमेप अब देश के अन्य राज्यों की कृषि आय बढ़ाने का पथ प्रदर्शन करेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कृषि आय को दोगुना करने के लिये किये गये कार्यों, नीतियों, प्रावधानों और योजनाओं का नीति आयोग की बैठक में प्रस्तुतिकरण देंगे। ल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान को किसानों की आय को दोगुना करने के प्रयासों को मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने के लिये कहा है। उन्होंने श्री चौहान को नीति आयोग की बैठक में कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि में हुई प्रगति और भविष्य की कार्य-योजनाओं का प्रस्तुतिकरण दें। प्रदेश के कृषि नवाचारों की जानकारी अन्य राज्यों को भी हो। कृषि आय को दोगुना करने के प्रयासों में उनका मार्गदर्शन होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रालय में नीति आयोग में दिये जाने वाले स्व- प्रस्तुतिकरण पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। बताया गया कि कृषि आय दोगुना करने के प्रदेश के प्रयासों के उत्कृष्ट परिणाम मिलने लगे हैं। ये भारत सरकार द्वारा जारी की जाने वाली सूचनाओं में स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत सरकार की सूचनाओं के आधार पर ही प्रदेश की कृषि क्षेत्र की उपलब्धियाँ प्रस्तुत की जायें। उनको टेम्पलेट के रूप में संयोजित किया जाये। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और उसके उपयोग के संबंध में जानकारी देने के साथ ही विद्युत की उपलब्धता के लिये किये गये कार्यों और सुधारों के बारे में भी बताया जाये। श्री चौहान ने कहा कि किसानों की साख संबंधी जरूरतों में सरकार की मदद, फसल परिवर्तन के प्रयासों हार्टिकल्चरल, फ्लोरीकल्चर, एग्रो फॉरेस्ट्री के साथ ही फसल राहत, बीमा, समर्थन मूल्य पर खरीदी, गहरी जुताई, यंत्रीकरण के लिये कस्टम हायरिंग सेंटर, किसानों को खेती के जमीन के अधिकतम उपयोग और नई जानकारियों के लिये उनके विदेश भ्रमण प्रयासों की भी जानकारी दी जाये।

'रोज़गार की पढ़ाई-चले आई.टी.आई.' अभियान 20 अप्रैल से

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने व्यवसायिक शिक्षा के प्रोत्साहन के लिये किये जा रहे प्रयासों की मंत्रालय में समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में व्यवसायिक शिक्षा के विस्तार में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। व्यवसायिक शिक्षा के द्वारा रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होते हैं। आई.टी.आई. की पहुँच बढ़ाने के लिये जन-जागृति के प्रभावी प्रयास किये जायें। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के विभिन्न विषयों और रोजगार की बेहतर संभावनाओं के संबंध में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की जागृति का अभियान, 'रोजगार की पढ़ाई चले-आई.टी.आई.', 20 अप्रैल से शुरू किया जायेगा। अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री चौहान गैस राहत आई.टी.आई., भोपाल में करेंगे। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा जिसमें आई.टी.आई. के प्रशिक्षण अधिकारी विद्यालयों में जायेंगे और बच्चों का उन्मुखीकरण करेंगे। प्रदेश के समस्त आई.टी.आई. में 1 मई से 15 जून तक समर स्कूल लगाये जायेंगे। बच्चों का तकनीकी शिक्षा के प्रति रूझान बढ़ाने के प्रयास किये जायेंगे। उनकी इच्छानुसार विभिन्न पाठयक्रमों की जानकारी दी जायेगी। अभियान को 15 से 30 जून तक स्कूल चलें हम अभियान के साथ सम्बद्ध कर संचालित किया जायेगा। इस दौरान बच्चों को कौशल उन्नयन के प्रति प्रेरित करने के लिये एक्सपोजर विजिट के कार्यक्रम भी होंगे। प्रदेश में कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता और रोजगार सृजन के नये अवसरों से निवेशकों और युवाओं को परिचित कराने के लिये स्किल समिट का आयोजन भी 1 जून को किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पोर्टल का अवलोकन भी किया। बताया गया कि पोर्टल पर छात्रों को विश्वविद्यालय के अध्ययन अवधि की सभी परीक्षाओं की अंक सूचियाँ उपलब्ध होगी।

प्रदेश के विकास एवं सामाजिक बदलाव के लिए सभी की सक्रिय भागीदारी हो

भोपाल। हमारे संतों ने मानव जीवन का एक मात्र लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति और लोक कल्याण बताया है। उन्होंने ईश्वर प्राप्ति के तीन मार्ग बताए हैं जिसमें एक ज्ञान मार्ग, दूसरा भक्ति मार्ग और तीसरा कर्म मार्ग है। मैं कर्म का मार्ग अपनाकर जीवनभर लोगों के समग्र विकास और कल्याण के लिए काम करता रहूँगा। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने औबेदुल्लागंज में प्रसिद्ध साध्वी आस्था भारती की भागवत कथा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री होने के नाते मेरा कार्य केवल प्रदेश का विकास करना ही नहीं है बल्कि लोगों के सुख और कल्याण की चिंता करना भी है। लोगों की उन्नति और तरक्की के लिए मैं जीवनभर काम करता रहूँगा। श्री चौहान ने कहा कि कर्म मार्ग द्वारा ईश्वर प्राप्ति का आशय यह है कि डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, व्यापारी, राजनीतिज्ञ आदि सभी लोगों को, जो जिस पेशे में है वह अपना कार्य पूरी ईमानदारी और निष्ठा से लोक कल्याण के लिए करें। कर्म के इस मार्ग से भी ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ी के स्वस्थ्य और सुखद भविष्य के लिए नदियों और पर्यावरण का संरक्षण करना होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नर्मदा सेवा अभियान एक बहु-उद्देश्यीय अभियान है, जिसे जनता की सक्रिय भागीदारी से सफल बनाया जाएगा।

पुलिस समाज-सेवा में क्रियाशील रहे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस की सजगता के कारण पूरा प्रदेश शांति का टापू बना हुआ है। माताएँ-बहनें निर्भीक रूप से कहीं भी आ-जा सकती हैं। पुलिस के जवान प्रदेश में शांति, कानून और व्यवस्था बनाये रखने में अपना योगदान दे रहे हैं। उनके परिवार के लिये आवास और अन्य सुविधाओं को उपलब्ध करवाने का कार्य प्रदेश सरकार का है। पुलिस जवानों के लिये 25 हजार मकान स्वीकृत किये गये हैं। दो वर्ष में ही यह 15 मंजिला इमारतें तैयार की जायेंगी। आधुनिक तरीके से इन इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें सर्व-सुविधायुक्त व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पुलिस हाउसिंग बोर्ड कार्पोरेशन के महेश गार्ड लाइन इंदौर स्थित 15वीं बटालियन में भूमि-पूजन कार्यक्रम में कही।

जयंती

हमारा सौभाग्य कि डॉ. अम्बेडकर जैसे महापुरूष ने प्रदेश की धरती पर जन्म लिया

महू में भारत रत्न डॉ.बाबा साहब अम्बेडकर जयंती पर महाकुंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा है कि हम सबका सौभाग्य है कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जैसे महापुरूष ने प्रदेश की धरती पर जन्म लिया। बाबा साहब प्रखर बुद्धिमान और प्रतिभा के धनी थे। वे व्यक्ति नहीं पूरी संस्था थे। अभाव और कठिनाइयों में भी उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और आगे बढ़े। उनका जीवन हम सबके लिये प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान अम्बेडकर नगर (महू) में डॉ. अम्बेडकर की जयंती महाकुंभ में राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 'ग्रामोदय से भारत उदय अभियान' की शुरूआत भी की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महाकुंभ में देश और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे श्रद्धालु सरकार के मेहमान हैं। सरकार ने मेजबान की भूमिका में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद जब वे पहली बार महू आये थे, तो देखा कि कुंभ की तरह बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ बाबा साहब के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने आते हैं, किंतु उनके रुकने, खाने-पीने के कोई प्रबंध नहीं हैं। तभी तय किया कि डॉ.अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को हर साल महाकुंभ होगा और सरकार महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें बाबा साहब की जन्म-स्थली पर स्मारक बनवाने का सौभाग्य मिला। महाराष्ट्र सरकार ने भी इन्दु मिल की जमीन को बाबा साहब की भव्य प्रतिमा स्थापित करने के लिये सौंप दी है। इसके अलावा महाराष्ट्र और भारत सरकार ने लंदन में उस भवन को भी स्मारक बनाने के लिये खरीद लिया है, जिसमें रहकर बाबा साहब ने पढ़ाई की। उन्होंने बताया कि बाबा साहब के जीवन से जुड़े पाँच स्थान पंच तीर्थ के रूप में बनेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार सभी वर्गों की सरकार है, किंतु पहले उनकी है जो सबसे गरीब हैं, जो सबसे नीचे हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने गरीबों के उत्थान के लिये सतत् प्रयास किये। वे हमेशा शिक्षित बनने की बात कहते थे। सरकार ने अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के बच्चों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये नि:शुल्क गणवेश, किताबें, साइकिल जैसी सुविधाओं के साथ छात्रवृत्ति, छात्रावास, विदेश में अध्ययन की व्यवस्था और शहरों में किराये से कमरा लेकर पढ़ने की सुविधा की योजना लागू की है। साथ ही प्रायवेट मेडिकल/इंजीनियरिंग/ प्रबंधन संस्थानों में प्रवेश मिलने पर सरकार की ओर से फीस दिये जाने दिये की भी योजना संचालित है। रोजगार के लिये मुख्यमंत्री युवा उद्यमी और स्व-रोजगार जैसी योजनाएँ विशेषकर अनुसूचित जाति-जनजाति के युवकों के लिये शुरू की गई हैं। इन योजनाओं में बैंक ऋण की गारंटी राज्य शासन द्वारा दी जाती है।

वन, योजना, आर्थिक और सांख्यिकी मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के कार्यकाल में अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लोगों को सबसे ज्यादा लाभ मिला है। सामाजिक समरसता के क्षेत्र में भी सर्वाधिक प्रयास हुए हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति के बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्ति की दरों में खासी बढ़ोत्तरी की गयी है। प्रदेश में छात्रावासों की संख्या भी दोगुनी हो गयी है।

महाराष्ट्र की सांसद और भाजपा युवा मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री पूनम महाजन ने कहा कि बाबा साहब बड़े दूरदृष्टा थे। उन्होंने हमें ऐसा संविधान दिया जो हर परिस्थिति में समीचीन है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने इन्दु मिल की जमीन को बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना के लिये दे दी है और यह प्रतिमा जल्द ही बनकर तैयार होगी। सम्मेलन को बौद्ध संत भंते श्री संघशीलजी ने भी संबोधित किया। स्वागत भाषण नर्मदा घाटी विकास, सामान्य प्रशासन और विमानन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लालसिंह आर्य ने दिया। जिला पंचायत की अध्यक्ष सुश्री कविता पाटीदार ने आभार माना।

प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बौद्ध संत भंते श्री संघशीलजी का पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। सम्मेलन में सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर, विधायक सुश्री उषा ठाकुर सहित अन्य जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

सम्पादकीय

रंग ला रही है वनवासी कल्याण की दीनदयाल वनांचल सेवा

मध्यप्रदेश में अब सुदूर वनांचलों में पदस्थ वन कर्मचारी विशेषकर महिला वन-रक्षक आँगनवाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल आदि में संचालित स्वास्थ्य, महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा और आदिम-जाति कल्याण विभाग के कार्यक्रमों में सहयोग कर वनवासियों के सर्वांगीण विकास में सहभागी बन रहे हैं। यह बड़ा काम मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह की प्रेरणा से लागू की गई दीनदयाल वनांचल सेवा के माध्यम से हो रहा है। सेवा की शुरूआत 20 अक्टूबर 2016 से हुई है। धीरे-धीरे यह सेवा वनवासी कल्याण के क्षेत्र में रंग ला रही है।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग : महिला वन-रक्षकों को आशा कार्यकर्ता के समान प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षित महिला वनकर्मी गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनकी सही देखरेख, स्वास्थ्य परीक्षण और जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य संस्थाओं तक पहुँचाने में मदद कर रही हैं। सुदूर वन अंचलों में लगने वाले स्वास्थ्य शिविरों में भी वन-रक्षक सहयोग कर रहे हैं। स्वास्थ्य शिविरों में वनवासी महिलाओं की स्वास्थ्य हिस्ट्री तैयार की जा रही है। इस हिस्ट्री में हीमोग्लोबिन, यूरीन, ब्लड ग्रुप, वजन, ऊँचाई के साथ उनके स्वास्थ्य की पूर्ण जानकारी दर्ज होगी। महिला वन-रक्षक की सहायता से स्वास्थ्य शिविर में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और हाई रिस्क प्रेगनेंसी प्रकरणों को चिन्हित कर बड़े अस्पताल में रिफर किये जाने का काम भी हो रहा है। वन-रक्षक, नवजात शिशु एवं शिशुओं के परीक्षण के लिये महिलाओं को प्रेरित करेंगे। साथ ही जरूरत होने पर उन्हें स्वास्थ्य संस्थाओं तक भी पहुँचायेंगे। वनकर्मी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता को सौ फीसदी टीकाकरण लक्ष्य हासिल करने में भी मदद करेंगे। होशंगाबाद एवं बैतूल जिले में प्रयोग के तौर पर हुए टीकाकरण कार्यक्रम में सौ फीसदी लक्ष्य की ओर ले जाने में वन-कर्मियों का बड़ा योगदान रहा है। वन क्षेत्रों के आसपास के गाँव में मलेरिया रोग बहुतायत से होता है। इसकी रोकथाम के लिये पुरुष एवं महिला वन-रक्षकों को मलेरिया कार्यकर्ताओं की तरह मलेरिया-किट उपयोग के लिये जरूरी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दूर के वन अंचलों में रहने वाले वनवासी इलाज के बजाय झाड़-फूँक में विश्वास रखते हैं। वन-रक्षक, वनवासियों को इस संबंध में उचित उपचार की समझाइश दे रहे हैं और जरूरत होने पर वाहन उपलब्ध करवाकर अस्पताल तक पहुँचाने में मदद कर रहे हैं। प्रयोग के तौर पर हरदा जिले के राजा बरारी में वनकर्मियों के सहयोग से मलेरिया नियंत्रण पर अच्छा काम किया गया है।

वनकर्मियों को वन ग्रामों में निमोनिया, डायरिया, मीजल्स, टी.बी. आदि के प्रकोप की सूचना समीप के स्वास्थ्य केन्द्रों को देने को कहा गया है। इसके अलावा वे ओआरएस, क्लोरीन टेबलेट्स, ब्लीचिंग पावडर आदि को सुरक्षित स्थान पर रखने और उसके उपयोग में भी स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करेंगे।

महिला-बाल विकास : दीनदयाल वनांचल सेवा के अंतर्गत महिला वन-रक्षक को आँगनवाड़ी कार्यकर्ता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे वे आँगनवाड़ी कार्यकर्ता की अनुपस्थिति में टीकाकरण और सुदूर वनांचलों में बच्चों को पौष्टिक आहार का भली-भाँति वितरण करवाने में सहयोग कर सकें। जहाँ आँगनवाड़ी केन्द्र नहीं हैं, वहाँ आँगनवाड़ी भवनों का निर्माण किया जाकर उनके संचालन में भी वन विभाग सहयोग कर रहा है। सुदूर वनांचलों की 14 से 18 वर्ष आयु की किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक करने के लिये महिला वन परिक्षेत्राधिकारियों को भी प्रशिक्षित करने की योजना है।

स्कूल शिक्षा विभाग : इस सेवा में सुदूर वनांचलों की शालाओं में शिक्षकों की अनुपलब्धता होने पर वनकर्मी द्वारा मानसेवी अतिथि शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएँ देने का प्रावधान किया गया है। वनकर्मी, शाला-त्यागी बच्चों, विशेषकर लड़कियों को शालाओं में प्रवेश के लिये प्रेरित करेंगे। साथ ही छात्रवृत्ति आदि शिक्षा योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत करवाने के साथ शालाओं और गाँव में स्वच्छता और हरियाली के प्रति भी जागरूक कर रहे हैं।

आदिम-जाति कल्याण विभाग : वनरक्षक, शिक्षक की अनुपलब्धता पर वनकर्मी आदिम-जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित शालाओं में मानसेवी अतिथि के रूप में कुछ दिन अपनी सेवाएँ दे सकेंगे। इसके अलावा आदिवासी बालक-बालिकाओं को शिक्षा, स्वच्छता, हरियाली के प्रति जागरूक करेंगे। वन विभाग पिछले कई दशक से वनवासी कल्याण की विभिन्न गतिविधियों में सहयोग करता रहा है। दीनदयाल वनांचल सेवा के जरिये वनवासी यदि स्वास्थ्य एवं विकास के प्रति जागरूक होंगे तो उनके कार्य, सामाजिक-आर्थिक क्षमता में वृद्धि के साथ वानिकी कार्यों को भी और बेहतर ढंग से किया जा सकेगा।

मध्यप्रदेश में करीब 94 हजार वर्ग किलोमीटर वन हैं। वनों के प्रबंधन एवं सुरक्षा में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये शासन द्वारा संयुक्त वन प्रबंधन समितियाँ गठित हैं। वन क्षेत्र से पाँच किलोमीटर दूरी तक के गाँवों में 15 हजार से ज्यादा वन समिति कार्यरत हैं। वनों की सुरक्षा एवं विकास में सहयोग करने की दृष्टि से स्थानीय लोगों की यह समितियाँ दूर-दराज के वन क्षेत्रों में हैं, जहाँ शासन के अन्य विभागों की पहुँच कम है। इन समितियों के माध्यम से ग्रामीणों से वन विभाग के कर्मचारियों का सतत सम्पर्क बना रहता है।

- पराग वराडपांडे

तकनीकी शिक्षा सुविधाओं में हुई उल्लेखनीय वृद्धि

राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प और कुशल नीतियों से प्रदेश में तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की संख्या एवं प्रवेश क्षमता में प्रभावी बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2005 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष तक बी.ई. में लगभग पाँच सौ और डिप्लोमा पाठ्यक्रम में चार सौ प्रतिशत विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। इस अवधि में इंजीनियरिंग कॉलेज की संख्या में 336 और पॉलीटेक्निक कॉलेज की संख्या में 329 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2004-05 में इंजीनियरिंग कॉलेज 63 थे, जो वर्ष 2015 में बढ़कर 212 हो गये। इसी तरह पॉलीटेक्निक कॉलेज की संख्या 44 से बढ़कर 145 हो गई है। आई.टी.आई. सीट 18,664 से बढ़कर एक लाख 30 हजार 564 : प्रदेश में कौशल उन्नयन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय काम विगत ग्यारह वर्ष में हुआ है। वर्ष 2005 में कुल आई.टी.आई. 171 थे, जो अब 930 हो गए हैं। इनमें शासकीय आई.टी.आई. की संख्या 141 से बढ़कर 225 हो गयी है। आई.टी.आई. में सीटों की संख्या 18 हजार 664 से बढ़कर एक लाख 19 हजार 665 हो गयी है।

विकास के नये आयाम : प्रदेश में इस अवधि में तकनीकी शिक्षा के विकास में नये आयाम स्थापित हुए हैं। वर्ष 2005 में जबलपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी, डिजायन एण्ड मेन्यूफेक्चरिंग की स्थापना हुई। वर्ष 2008 में भोपाल में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नालॉजी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साईंस एजुकेशन एण्ड रिसर्च और स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर की स्थापना हुई। वर्ष 2009 में आई.आई.टी. इंदौर की शुरूआत हुई। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रवेश के 86 शासकीय/निजी इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में चुना गया है। इनमें बेरोजगार युवाओं को कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण दिया जायेगा। पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में आई.टी.आई. से संबंधित प्रशिक्षण दिलवाने की भी योजना है। चार पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कम्युनिटी कॉलेज की स्थापना की गयी है। इससे इन महाविद्यालय में निर्धारित समय के बाद विद्यार्थियों को विशेष ट्रेड में प्रशिक्षण दिलवाने की व्यवस्था हुई है। **शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार :** शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिये अमले की पूर्ति के विशेष प्रयास भी इस अवधि में हुए हैं। पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में 315 और इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में 44 पद पर भर्ती की जा चुकी है। विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय को ऑनलाइन उपस्थिति भेजने के साथ ही संस्था की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाती है। संस्थाओं में विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान करवाये जा रहे हैं। प्रचलित पाठ्यक्रमों में जरूरत के अनुसार बदलाव तथा कौशल विकास पर चर्चा के लिए शिक्षकों, विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों और नैस्काम के प्रतिनिधियों के साथ गहन विमर्श के लिये कार्यशाला की गयी। इस वर्ष अगस्त से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये बायो-मेट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था लागू हुई है।

भविष्य की योजनाएँ : प्रदेश में दो नये तकनीकी विश्वविद्यालय उज्जैन एवं जबलपुर में शुरू करने, शिवपुरी में एनटीपीसी के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालय प्रारंभ करने, सिंगरौली में भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय तथा मध्यप्रदेश माईनिंग कार्पोरेशन के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालय की स्थापना, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान में धार में इंजीनियरिंग महाविद्यालय की स्थापना, जिला मुख्यालयों पर एक हजार परीक्षार्थियों की क्षमता वाले ऑनलाईन परीक्षा केन्द्रों का पीपीपी मोड में निर्माण, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली की योजना में वर्तमान में संचालित पोलीटेक्निक कॉलेज में आईटीआई प्रशिक्षण संस्थाओं को प्रारंभ करने और आगर-मालवा में नवीन पोलीटेक्निक कॉलेज की स्थापना अगले सत्र से प्रस्तावित है।

कौशल विकास : आईटीआई प्रशिक्षण में गुणात्मक सुधार के उद्देश्य से राज्य शासन ने अनेक प्रभावी कदम उठाये हैं। वर्ष 2005-06 में आईटीआई में प्रशिक्षण अधिकारियों के 187 पद स्वीकृत थे, जो वर्ष 2015-16 में 4105 हो गये। विश्व बैंक की सहायता से व्होकेशनल ट्रेनिंग इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट में 36 आईटीआई के उन्नयन के लिये पहले प्रावधानित 75 करोड़ के साथ ही 44 करोड़ 70 लाख रुपये अतिरिक्त स्वीकृत किये गये हैं।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

कैसे पाए तनाव से मुक्ति

गर्मियों का मौसम आते ही लोग हैरान परेशान होने लगते हैं। गर्मियों में अकसर लोगो में देखा जाता हैं कि वह चिड़चिड़े से तनाव में हो जाते हैं जिसका कारण हैं पसीना आना नींद पूरी न होना और न ही खाना पान ठीक से होना और इसका सबसे बड़ा कारण हैं शरीरिक व मानसिका स्तर पर अपने आप को अस्वस्थ्य महसूस करना। जिसके कारण मनुष्य में तनाव की स्थिति पैदा होने लगती हैं कैसे हम तनाव से मुक्ति पा सकते हैं और कैसे अपने आप को स्वस्थ्य रख सकते हैं इसके कुछ अचूक उपाए आज हम आप को बता रहें है।

तनाव से बचने के उपाए :

भोजन: तनाव में भोजन बहुत जरूरी है क्योंकि भोजन से शरीर को ऊर्जा और तनाव से लड़ने की शक्ति मिलती है इसके लिए आप अपने भोजन में ऐसे आहार को शामिल करें । जिसमें विटामिन बी, मैग्नीशियम और पोटैशियम की मात्रा अधिक हो।

ध्यान रहें कि आप तनाव को दूर भागने के लिए दिन में कई बार थोड़ा करके खाना खायें।

नहायें: जब ठंडा पानी सिर पर गिरता है तो सारी चिंता और तनाव पानी के साथ ही बह जाते है इससे मन और शरीर को ठंडक मिलती हैं अगर हो सकें तो रात में सोने से पहले भी नहायें जिससे ठंडक भी मिलगी और नींद भी अच्छी आयेगी।

टहलें: अगर आपके घर के आसपास कोई पार्क हैं तो आप थोड़ी देर पार्क की हरी हरी घासों में नंगे पैरो के जरूर घूमें साथ ही आप ठंडी हवा को और फूलों की महक का आनंद उठायें। आपकी सारी चिंता, उदासी और तनाव भी हवा के साथ ही उड़ जायेंगे साथ ही सुबह सुबह पार्क में घुमने से आपका शरीर भी स्वस्थ रहेगा ।

अच्छी नींद लें: वैसे तो तनाव में व्यक्ति को नींद नहीं आती क्योंकि उसके दिमाग में अनेक तरह के बातें चलती रहती है किन्तु नींद ना आने की वजह से ही उसके शरीर को आराम नहीं मिल पाता और वो अपनी परेशानियों को और भी अधिक बढ़ा लेता है इसलिए ऐसे व्यक्तियों को कोशिश करके अच्छी नींद जरूर लेनी चाहिए।

व्यायाम एवं प्राणायाम करें: अगर आप अपने तनाव को कम करना चाहते है तो आप अपनी दिनचर्या में व्यायाम को अपना लें । आप कुछ हल्के व्यायाम जैसे सूक्ष्म क्रिया, और कुछ हल्के आसनो का अभ्यास कर के और प्राणायाम जैसे डीप ब्रीधिंग, अनलोम-विलोम का प्रयास करें । जिससे आप शरीरिक व मानसिक रूप से अपने आप को स्वस्थ्य पाएगें । और आप में ऊर्जा का संचार होगा जो आपके तनाव को कम करने में मदद करेगा।

नींबू और चॉकलेट खायें: तनावग्रस्त व्यक्ति को तनाव से दूर रखने के लिए उसके मूड को ताजा रखना जरूरी है और इसके लिए नींबू से अच्छा कुछ नहीं हो सकता क्योंकि नींबू में विटामिन सी होता है जो मुड में ताजगी लाने में सहायक होता है नींबू का इस्तेमाल आप कई तरह से कर सकते हैं नींबू पानी लें, या सब्जी और सलाद में डाल लें और चाहे तो इसे सूंघ कर भी उदासी को दूर कर सकते हो। इसके साथ ही चॉकलेट खा कर भी आप अपने तनाव को कम कर सकते हो ।

सकारात्मक रहें: तनाव में व्यक्ति अपने सोचने समझने की क्षमता खो देता है और हर चीज में गलतियां ही ढूंढता रहता है ऐसा इसलिए होता है क्योंकि तनाव व्यक्ति की सोच को नकारात्मक कर देता हैं इसलिए आप को जो बातें सोच सकारात्मक ऊर्जा देती है आप वहीं ध्यान दें और वही करें इस तरह आप अपने तनाव को दूर करने में इन उपाए कें मध्याम से कुछ मदद लें सकतें हैं।

चाय के बारे में हुआ चौंकाने वाला खुलासा, प्रभावित करती है याददाश्त

चाय को लेकर आपने अब तक बहुत सी बातें सुनी और पढ़ी होंगी. लेकिन एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में चाय को लेकर कुछ ऐसा कहा गया है, जिसे सुनकर चाय के मुरीद खुश हो जाएंगे.

अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार दिन में एक कप चाय पीने से बुढ़ापे में डिमेंशिया बीमारी का खतरा नहीं होता. दरअसल डिमेंशिया एक ऐसी बीमारी है, जिसमें व्यक्ति की यादाश्त कमजोर हो जाती है, वह कुछ भी ज्यादा देर तक याद नहीं रख पाता। ऐसे में शोधकर्ताओं का दावा है कि दिन में एक कप चाय पीने से बुढ़ापे में भूलने की बीमारी का खतरा 50 फीसदी तक कम किया जा सकता है. यह अध्ययन नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के वैज्ञानिकों ने किया है।

अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं के अनुसार इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप ग्रीन टी पी रहे हैं या ब्लैक टी, चाय के फायदे आपको चाय के किसी भी रूप में मिलेंगे. दोनों का मस्तिष्क पर एक जैसा असर होता है।

दरअसल, शोधकर्ताओं ने चाय की पत्तियों में कैटेचिन और थियाफ्लेविन नाम का एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सिडेंट के फायदों वाले तत्व पाए हैं, जो मस्तिष्क के उस क्षेत्र को प्रभावित करते हैं जिससे यादें संचित रहती हैं।

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आयुर्वेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

..जब अंतरिक्ष से इंदिरा गांधी को बताया- सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमारा

आसमान के पार जाने का ख्वाब कौन नहीं देखता.. लेकिन ख्वाब देखने से ही ख्वाब पूरे थोड़े होते है. ऐसा ही एक ख्वाब देखा था राकेश शर्मा ने . वो ख्वाब जिसकी कल्पना उन दिनों कोई नही कर सकता था. बचपन से ही पायलट बनने का सपना देखने वाले राकेश शर्मा 3 अप्रैल 1984 को अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने.

आइये जानते है उनके बारे में...

1. एक वायुसेना के जवान के तौर पर नौकरी करते हुए राकेश शर्मा ने नहीं सोचा था कि उनका सफर यहां से अंतरिक्ष तक पहुंच जाएगा. अपने सफर को याद करते हुए शर्मा ने एक बार कहा था कि मैंने बचपन से पायलट बनने का सपना देखा था, जब मैं पायलट बन गया तो सोचा सपना पूरा हो गया.

2. 2 अप्रैल 1984 को दो अन्य सोवियत अंतरिक्षयात्रियों के साथ सोयूज टी-11 में राकेश शर्मा को लॉन्च किया गया. इस उड़ान में साल्युत 7 अंतरिक्ष केंद्र में उन्होंने उत्तरी भारत की फोटोग्राफी की और गुरुत्वाकर्षण-हीन योगाभ्यास किया.

3. जब राकेश शर्मा अंतरिक्ष पहुंचे तो भारत के लोगों के लिए ये 'ना' मानने वाली बात ही थी. लोगों को यकीन नहीं हो रहा था कि कोई मानव जीव अंतरिक्ष में जा रहा है.

4. राकेश शर्मा ने 1966 में NDA पास कर इंडियन एयर फोर्स कैडेट बने. उसके बाद 1970 में भारतीय वायु सेना को ज्वांइन कर लिया. फिर यही से उनकी किस्मत ने यू-टर्न लिया और राकेश ने कुछ ऐसा कर दिखाया कि आज उनके नाम से हर भारतीय का सीना फक्र से चौड़ा हो जाता है.

5. जब अंतरिक्ष स्टेशन से राकेश शर्मा ने इंदिरा गांधी को फोन किया तो भारतीय प्रधानमंत्री ने पूछा कि वहां से हमारा हिंदुस्तान कैसा नजर आता है, इसके जवाब में शर्मा ने कहा, 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमारा'.

6. जब सोवियत संघ ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने दो भारतीयों के उनके मिशन में शामिल होने का प्रस्ताव रखा. इंदिरा गांधी के पास वायुसेना के अफसरों के अलावा कोई विकल्प नहीं था. इसरो के पास तब इतने संसाधन नहीं थे. ऐसे में वायुसेना के दो अफसरों को 18 महीने की लंबी ट्रेनिंग दी गई. जिसमें राकेश शर्मा के साथ गए रवीश मल्होत्रा उनके साथ ही इस मिशन में शामिल रहे.

7. अंतरिक्ष की कक्षा में उन्होंने 7 दिन, 21 घंटे और 40 मिनट गुजारे.

8. अंतरिक्ष से वापस लौटने के बाद सोवियत सरकार ने उन्हें 'हीरो ऑफ़ सोवियत यूनियन' के सम्मान से नवाजा गया. भारत सरकार ने उन्हें शांति-काल के सबसे उच्च बहादुरी पुरस्कार 'अशोक चक्र' से सम्मानित किया.

9. जहां इन दिनों बॉलीवुड में बायोग्राफी का चलन जोर- शोर से चल रहा है वहीं ऐसी खबरें भी आ रही है जहां कहा जा रहा कि राकेश शर्मा के जीवन पर बायाग्राफी बनाई जाएगी जिसमें उनका किरदार बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्टनिस्ट' आमिर खान निभाएंगे. सुशांत सिंह राजपूत के भी ऐसी ही एक फिल्म में काम करने की खबरें हैं.

बच्चे के मर जाने के बाद की डॉक्टरी की पढ़ाई, बन गईं देश के लिए मिसाल

देश की पहली महिला डॉक्टर आनंदीबाई जोशी का जन्म साल 1865 में आज ही के दिन यानी कि 31 मार्च को हुआ था. माना जाता है कि वो अमेरिका की जमीन पर कदम रखने वाली पहली हिंदू महिला थीं.

आनंदीबाई जोशी की शादी महज 9 साल की उम्र में अपने से 20 साल बड़े युवक गोपालराव से हुई थी.

उन्होंने 14 साल की उम्र में मां बनकर अपनी पहली संतान को जन्म दिया, लेकिन 10 दिनों में ही उस बच्चे की मृत्यु हो गई. इस घटना का उन्हें गहरा सदमा पहुंचा. यही वो पड़ाव था, जिसने आनंदीबाई को डॉक्टर बनने की प्रेरणा दी.

10 दिन के अपने बच्चे की मौत के बाद उन्होंने मेडिसिन की पढ़ाई करने का फैसला किया. इस फैसले में उनके पति गोपालराव ने भी पूरा साथ दिया और हर कदम पर आनंदीबाई की हौसलाअफजाई की.

मेडिकल क्षेत्र में शिक्षा पाने के लिए वे अमेरिका गई. 1886 में 19 साल की उम्र में आनंदीबाई ने एमडी की डिग्री पाने के साथ पहली भारतीय महिला डॉक्टर बन दुनिया के सामने मिसाल कायम कर दी.

आनंदीबाई अपने सपने को आगे नहीं जी सकीं. अपनी डिग्री पूरी करने के बाद आनंदीबाई देश वापस लौटीं, लेकिन उस दौरान वे टीबी की बीमारी की शिकार हो गईं. सेहत में दिन पर दिन आने वाली गिरावट के चलते 26 फरवरी 1887 में 22 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया.

आनंदीबाई देश और दुनिया में एक मिसाल बन गईं. उनके जीवन पर कैरोलिन वेलस ने 1888 में बायोग्राफी लिखी. इस बायोग्राफी पर एक सीरियल बना जिसका नाम था 'आनंदी गोपाल', जिसका प्रसारण दूरदर्शन पर किया गया.

जानें कितने में बिका दुनिया का सबसे महंगा बर्गर

बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को बर्गर खासा पसंद हैं. पर क्या आपने कभी ये सोचा है कि किसी बर्गर की अधिकतम कीमत कितनी हो सकती है. 100, 200 या 500 रुपये. जी नहीं, दुबई में एक ऐसा बर्गर तैयार किया जिसकी कीमत सैकड़ों में नहीं बल्कि लाखों में है. दुबई के एक रेस्टोरेंट में दुनिया का सबसे महंगा बर्गर तैयार किया गया, जिसकी नीलामी 10,000 डॉलर में हुई है. अगर भारतीय करेंसी में इसे समझें तो इसकी कीमत 6,56,300 रुपये है. इसे बनाने वाले शेफ ने इस बर्गर को 'Seven Emirates Burgerstack' का नाम दिया है. दरअसल, इस बर्गर को एक खास वजह से तैयार किया गया. स्तन कैंसर के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली संस्था पिंक कैरावन ने इसका आयोजन किया था और सबसे महंगे बर्गर की नीलामी के जरिये संस्था ने स्तन कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए राशि एकत्रित किया. यानी नीलामी से मिलने वाली राशि को स्तन कैंसर से पीड़ित मरीजों के इलाज में लगाया जाएगा।

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

SUKHWANT SINGH CLASSES
(RUN BY SUKHWANT SIR EX FACULTY
SUPER-30 PATNA GROUP)
TEACHING SINCE 1984
Exclusively for CBSE/ISC
XI, XII-IIT
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Focused & Comprehensive Study Material
● Maths & Physics by Sukhwant Sir
● Chemistry by eminent faculty
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
● Morning Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rd April
● New Evening Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rd April
● 11th Cum IIT/AIIMS 10th April
● Weekend Morning Batch for 12th Board 3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9479955649, 9424312779

खुशियों और संकल्प का त्योहार है वैसाखी

अमृतसर से लेकर अफगानिस्तान की सीमाओं तक फैले वृहतर पंजाब में वैसाखी का त्योहार सदियों से मनाया जाता रहा है। आजकल पूरे भारत में जहां भी कुछ पंजाबी समूह रहते हैं वहां-वहां ये त्योहार मनाया जाता है। वैसाखी मुख्य रूप से समृद्धि और खुशियों का त्योहार है। इसके मनाए जाने का मुख्य आधार पहली वैसाख को पंजाबी नववर्ष का प्रारंभ फसलों के पकने और कटने की किसानों की खुशियां हैं।

पिछले कुछ वर्षों से ईसवीं सन के माह अप्रैल की चौदह तारीख वैसाखी पर्व के लिए निर्धारित कर दी गई है। और इसी दिन के लिए सरकार ने वैसाखी की छुट्टी घोषित की हुई है। पंजाब सदियों से कृषि प्रधान देश रहा है। कृषि ही वहां के जीवन की सुख समृद्धि और प्रगति का आधार रही है। वैसाखी के दिन इस सुख-समृद्धि की खुशियों को किसान नाच-गाकर ईश्वर का शुक्राना अदा करते हैं। इस अवसर पर होने वाले भांगड़े और गिद्दे अब सारे भारत की सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य हिस्सा बन चुके हैं।

वैसाखी के दिन को अत्यंत पवित्र और शुद्ध मानते हुए इस दिन धार्मिक केंद्रों तथा सामाजिक संस्थाओं में बड़े और भव्य स्तर पर आयोजन होते हैं। जिस परिवार में बच्चे का आगमन हुआ हो या बेटा-बेटी की शादी हुई हो या नया मकान बनाया हो उसके बाद आने वाली पहली वैसाखी को उन परिवारों में विशेष कार्यक्रम होते हैं और वे अपने तरीके से खुशियां मनाते हैं। कोई भी नया काम शुरू करने के लिए इस दिन को शुभ माना जाता है।

इतिहास की दो घटनाओं ने वैसाखी के पर्व को अधिक यादगार और महत्वपूर्ण बना दिया। ये दो घटनाएं हैं- 1699 की वैसाखी को सिख धर्म के दशम गुरू गुरू गोविंदसिंगजी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ का निर्माण किया तथा 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियावाले बाग में देश की आजादी के लिए हजारों लोग शहीद हुए। 1699 की वैसाखी के दिन आनंदपुर साहिब (पंजाब) में वैसाखी के विशाल समागम में गुरू गोविंदसिंग ने बड़े नाटकीय ढंग से देश और कौम के लिए शहीदी के जज्बे की पांच सिक्खों की परीक्षा ली। गुरू और सिख धर्म के प्रति पांचों सिक्खों की निष्ठा और समर्पण को देखते हुए गुरू साहिब से उन्हें अमृत छकाया और पांचों प्यारों का नाम दिया। लोहे के बाटे(बड़ा कटौरा) में सतलुज नदी का पानी लेकर उसमें शकर मिलाकर गुरूजी ने अपनी कटार से हिला दिया और ये जल अमृत कहलाया। पांचों प्यारों को अमृत छकाने के बाद गुरू साहिब ने स्वयं भी पांचों प्यारों से अमृत ग्रहण किया।

अमृत छकना एक तरह से धर्म और देश की खातिर कुर्बानी के लिए तैयार रहने का संकल्प था। इसी समागम में गुरूजी ने सिक्खों को पांच ककार-कच्छ (कच्छा), कंगा, केस, कृपाण और कड़ा अनिवार्य रूप से धारण करने का निर्देश दिया। खालसा पंथ का यह स्वरूप आज भी यथावत विद्यमान है।

वैसाखी के दिन से शहादत की एक महान घटना भी जुड़ी हुई है। जालिम अंग्रेजी शासन द्वारा रौलट एक्ट यानि काला कानून पास करने के विरोध में 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियावाले बाग में एक विशाल सभा का आयोजन किया गया। जनरल डायर ने बगैर किसी चेतावनी के सभा की भीड़ पर गोलियों की बौछार कर दी जिसमें एक हजार से ज्यादा लोग शहीद हो गए और बड़ी संख्या में जख्मी हो गए थे।

अंतिम समय में नहीं करना चाहिए ये काम, लेकिन क्यों?

कहानीकार अर्नेस्ट हेमिंग्वे बचपन में बड़े हंसमुख स्वभाव के थे। पढ़ने-लिखने में तेज हेमिंग्वे को ईश्वर ने उन्हें गजब की कल्पना शक्ति दी थी। एक बार की बात है उनके शिक्षक ने बच्चों से कहानी लिखने को कहा।

कहानी लिखने के लिए एक महीने का समय दिया। हेमिंग्वे ने सोचा, कहानी लिखने के लिए एक महीने की क्या जरूरत है। यह तो एकाध घंटे में ही लिखी जा सकती है। दिन गुजरते जा रहे थे, पर वह खेलकूद में ही मस्त रहे। उनकी बहन ने कई बार कहानी लिखने की याद दिलाई, लेकिन हर बार वह यही कहकर टालते रहे कि कहानी तो एक घंटे में लिख देंगे। कहानी जमा करने के दिन से ठीक पहले की रात को भी हेमिंग्वे की बहन ने उन्हें कहानी की याद दिलाई, पर उन्हें नींद आ रही थी। कहानी सुबह लिख लूंगा, सोचकर वह सो गए। सुबह उठकर उन्होंने हड़बड़ाहट में लिखना शुरू किया। कहानी तो पूरी कर ली, मगर वह उससे संतुष्ट नहीं हुए। उन्हें लग रहा था कि कहानी में भाषा और कथा सूत्रों में सुधार की जरूरत है। समय की कमी के कारण वह चाहकर भी सुधार नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने बिना सुधारे ही अधूरे मन से कहानी शिक्षक को सौंप दी। इस तरह पुरस्कार किसी और छात्र को मिला। हेमिंग्वे बहुत निराश होकर घर लौटे तो उनकी बहन ने कहा, 'हर काम अंतिम समय में पूरा करने की आदत के कारण ही तुम्हें पुरस्कार नहीं मिला। इस असफलता से सबक लो और हर काम नियम समय पर करने की आदत डालो।' हेमिंग्वे ने बहन की सलाह को अपना आदर्श बना लिया। आज पूरी दुनिया उन्हें एक श्रेष्ठ रचनाकार के रूप में याद करती है।

यहां है वह स्थान, जहां खोजने पर मिलती है खुशी

- श्री श्री रविशंकर, आध्यात्मिक गुरु

आज हममें से हरेक खुशी और शांति की तलाशकर रहा है. यह खोज सर्वव्यापी है. आखिरकार दुखी तो कोई भी नहीं रहना चाहता. लोग अलग-अलग तरीकों से खुशियां ढूंढने की कोशिश करते हैं. कुछ इसे धन-दौलत और दुनियावी चीजों में ढूंढ़ते हैं.

कुछ इसे यश और प्रसिद्धी में पाना चाहते हैं. अधिकतर लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति के द्वारा ही खुशियां प्राप्त करने का प्रयास करते हैं. हमारी कोशिश यही होती है कि हम अपनी इच्छाओं को पूरा कर पाएं. हमारा जीवन ऐसे ही गुजरता चला जाता है, जिसमें हम एक के बाद एक अपनी इच्छाओं की पूर्ति करने में ही लगे रहते हैं. समस्या यह है कि हमारी इच्छाओं का कोई अंत ही नहीं होता.

जब हमारी एक इच्छा पूरी हो जाती है, तो हमारे अंदर दूसरी पैदा हो जाती है. जब वो भी पूरी हो जाती है, तो हमारे अंदर कोई और इच्छा उत्पन्न हो जाती है, और उसके बाद फिर कोई अन्य इच्छा जाग जाती है. इस तरह हमारा जीवन गुजरता चला जाता है.

यह सच है कि आधुनिक संस्कृति हमारे अंदर नई-नई इच्छाओं को पैदा करती है. हम पोस्टरों, होर्डिंग्स, टीवी और रेडियो पर रोज नए-नए विज्ञापन देखते हैं. वो हमें यकीन दिलाते हैं कि अगर हम तुरंत इन चीजों को खरीद नहीं लेते, तो इसका मतलब हममें और हमारे जीवन में कुछ ना कुछ गड़बड़ जरूर है.

यदि हम इन चीजों पर विचार करें, तो पाएंगे कि ये हमें वो स्थाई खुशियां नहीं देतीं जिनका हमसे वादा किया जाता है. हम थोड़े समय के लिए जरूर इनसे खुशी हासिल करते हैं, लेकिन इनके खो जाने या नष्ट हो जाने से,या रिश्ते-नातों के टूट जाने या दूर हो जाने से, हमें बहुत ही दुख और पीड़ा सहन करनी पड़ती है. जीवन में किसी ना किसी मोड़ पर हमें यह एहसास अवश्य होता है कि बाहरी संसार की खुशियां क्षणिक हैं, यह एक अस्थाई भ्रम है. इस दुनिया की प्रत्येक वस्तु को एक ना एक दिन नष्ट अवश्य होना है.

अंततः हमें भी एक दिन इस संसार से जाना ही होगा और हम अपनी समस्त प्रिय वस्तुओं को यहीं पीछे छोड़ जाएंगे. चूंकि हम इंसानों को इस तरह बनाया गया है कि हमारा ध्यान अपनी इच्छाओं की पूर्ति करने में ही लगा रहता है, इसलिए आवश्यकता है सही प्रकार की इच्छा रखने की.

सबसे पहले तो हमें एक लक्ष्य तय कर लेना चाहिए और सही लक्ष्य है प्रभु को पाना. परमात्मा में अपनी आत्मा का मिलाप करवाना. हम अपनी अनमोल सांसों को दुनियावी इच्छाओं की पूर्ति में ही जाया कर देते हैं. अंत में हमें महसूस होता है कि इनसे हमें वो स्थाई खुशियां, प्रेम,और संतोष नहीं मिला जो हम असल में पाना चाहते थे. युगों-युगों से संत-महापुरुष यही बताते चले आए हैं कि सच्ची खुशी हमें अवश्य मिल सकती है, लेकिन उसे हम केवल अपने अंतर में पा सकते हैं. अगर हम बाहरी दुनिया में उसे ढूंढ़ेंगे, तो हमें निराशा ही हाथ लगेगी. यदि हम इस भौतिक संसार में संपूर्णता की तलाश करेंगे, तो वो हमें कभी भी नहीं मिलेगी. सच्ची खुशी पाना इतना भी कठिन नहीं है, जितना हम सोचते हैं. स्थाई खुशी हमें अवश्य मिल सकती है, यदि हम उसे सही स्थान पर खोजें। और वह सही स्थान वह है जहां आप स्वयं हैं.

केवल परमात्मा है सच्ची व स्थाई खुशी : खुशियों का केवल एक ही स्रोत स्थाई है, जो हवा, आग, पानी, या मिट्टी से नष्ट नहीं हो सकता. वो हमसे ना तो इस जीवन में छीना जा सकता है और ना ही शारीरिक मृत्यु के बाद. सच्ची व स्थाई खुशी केवल परमात्मा ही है.

यदि हम अपने अंतर में सच्चे आत्मिक स्वरूप का अनुभव कर लेंगे, तो हमें इतनी अधिक खुशियां और प्रेम मिलेगा, जो इस संसार की किसी भी इच्छा की पूर्ति से हमें नहीं मिल सकता.

पोलार्ड के आगे बद्री की हैट्रिक बेकार, मुंबई ने RCB को 4 विकेट हराया

बेंगलुरु । मुंबई इंडियंस ने 7 रन पर चार विकेट खो दिए थे. उस वक्त कैरेबियाई लेग स्पिनर सैमुअल बद्री की हैट्रिक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) का उत्साह चरम पर था. लेकिन उसी मैच में एक और कैरेबियाई बल्लेबाज किरोन पोलार्ड (70 रन, 47 गेंदों में) ने मैच का रुख मुंबई इंडियंस की ओर मोड़ दिया. पोलार्ड ने क्रुणाल पंड्या के साथ छठे विकेट के लिए 93 रनों की बेशकीमती साझेदारी कर आरसीबी से यह मैच छीन लिया. मुंबई ने 7 गेंद शेष रहते ही 145/6 रन बनाकर मैच 4 विकेट से जीत लिया. इसके साथ ही मुंबई ने लगातार तीसरी जीत हासिल की. जबकि आरसीबी की चार मैचों में यह तीसरी हार रही.पोलार्ड ने अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान टी-20 में 7000 रन पूरे किए. ऐसा करने वाले वे पांचवें बल्लेबाज बने. उनके आउट होने के बाद पंड्या ब्रदर्स क्रुणाल (37 रन) और हार्दिक (9 रन) ने बाकी का काम पूरा कर दिया.

बद्री की हैट्रिक से बेंगलुरु में सनसनी : 143 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस को लगातार झटक लगे. दूसरे ओवर में जोश बटलर (2 रन) को स्टुअर्ट बिन्नी ने आउट किया, कैच क्रिस गेल ने लपका. उस वक्त स्कोर 7 रन था. इसी स्कोर पर और तीन विकेट गिरे. सैमुएल बद्री ने हैट्रिक बना डाली. तीसरे ओवर की दूसरी, तीसरी और चौथी गेंदों पर विकेट लिये. पार्थिव पटेल (3 रन) को बद्री ने गेल के हाथों लपकवाया. इसी के बाद मिशेल मैक्लेनघन (0) को बद्री ने मंदीप सिंह के हाथों कैच कराया. जबकि बद्री ने कप्तान रोहित शर्मा(0) को बोल्ड कर दिया. आरसीबी की ओर से हैट्रिक लेने वाले बद्री दूसरे गेंदबाज हैं. इस पहले 2010 में प्रवीण कुमार ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हैट्रिक बनाई थी. आईपीएल में अब तक 15 हैट्रिक लग चुकी हैं. 33 के स्कोर पर नीतीश राणा (11 रन) को सैमुअल बद्री ने एस. अरविंद के हाथों कैच कराया. इस तरह बद्री ने अपने कोटे के 4 ओवर में 1 मेडन, 9 रन के साथ 4 विकेट लिए.

ऋष्क्र ने दिया था 143 रनों का लक्ष्य : विराट कोहली (62 रन) की अर्धशतकीय पारी के बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (RCB) की टीम मुंबई इंडियंस को बड़ा लक्ष्य देने में कामयाब नहीं हुई. मुंबई की किफायती गेंदबाज की बदौलत आरसीबी की टीम 20 ओवर में 142/5 रन ही बना पाई. विराट के अलावा कोई बल्लेबाज अपनी लय में नहीं दिखा. आरसीबी अपने अंतिम पांच ओवर में 32 रन ही बना पाई. इस दौरान उसके 4 विकेट गिरे. एक भी बाउंड्री नहीं गई और 12 डॉट बॉल रहे. मुंबई की और से मिशेल मैक्लेनघन ने 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए.

विराट के आउट होते ही डिविलियर्स भी चलते बने : डिविलियर्स ने 14वें ओवर में जसप्रीत बुमराह को छक्का लगाया. उसी ओवर में विराट ने बुमराह को एक छक्का और चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया. इसके साथ ही विराट एक बार फिर आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में शीर्ष पर आ गए. उन्होंने सुरेश रैना (4171 रन) को पीछे छोड़ा. लेकिन 110 के स्कोर पर मिशेल मैक्लेनघन ने विराट (62 रन, 47 गेंदों पर) को पैवेलियन भेजा. जोश बटलर ने वह कैच पकड़ा. 115 के स्कोर पर डिविलियर्स (19 रन) को क्रुणाल पंड्या ने अपनी फिरकी का शिकार बनाया. क्रुणाल ने उन्हें तीसरी बार आउट किया. इसके बाद 127 के स्कोर पर केदार जाधव (9 रन) रन आउट हो गए. इसी स्कोर पर मंदीप सिंह (0) को मैक्लेनघन ने बोल्ड किया. पवन नेगी (13 रन) और स्टुअर्ट बिन्नी (6 रन) नाबाद रहे.

गेल टी-20 में 10 हजार पूरे करने से फिर चूके : आरसीबी की और से क्रिस गेल और कप्तान विराट कोहली ने पारी की शुरुआत की. पहले ओवर में दोनों सलामी बल्लेबाजों ने धैर्य का परिचय देते हुए 6 रन बनाए. दूसरे ओवर में एक रन बना. लेकिन तीसरे ओवर में विराट ने अपने बल्ले का मुंह खोला और टिम साउदी के ओवर में एक छक्का और दो चौके जमाए. गेल ने हरभजन सिंह को छक्का लगाया. लेकिन वे (22 रन) एक बार फिर बड़ी पारी खेल नहीं पाए. गेल महज तीन रन से टी-20 में 10 हजार रन पूरे करने से चूके. उन्हें हार्दिक पंड्या ने 63 के स्कोर पर विकेट के पीछे कैच कराया.

मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी ली : एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया. आईपीएल के 10वें सीजन में पहली बार विराट कोहली उतरे हैं. आरसीबी ने इस मैच में क्रिस गेल को टीम में लिया, जबकि शेन वॉटसन को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा. मुंबई की ओर से लसिथ मलिंगा इस मैच में नहीं खेले, वे अस्वस्थ बताए गए. आरसीबी की टीम विराट की गैरमौजूदगी में पहले ही तीन में से एक ही मैच जीत पाई थी. पिछली बार की रनर्स-अप आरसीबी फिलहाल छठे स्थान पर है.

करीब महीनेभर बाद विराट ने वापसी की : विराट को बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने गुरुवार को फिट घोषित कर दिया था. उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रांची में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में कंधे में चोट लग गई थी. इसके कारण वह आईपीएल के शुरुआती मैचों में खेल नहीं हो पाए थे. किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ पिछले मैच में एबी डिविलियर्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए वापसी की थी. वह भी शुरुआती दो मैचों में टीम का हिस्सा नहीं थे.

सेना के समर्थन में उतरे ओलिंपिक मेडल विजेता योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली। ओलिंपिक मेडल विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने भारतीय सेना के समर्थन में कई ट्वीट किए हैं। सेना का एक कथित पत्थरबाज को बांधकर घुमाने वाला विडियो वायरल होने के बाद उन्होंने कई ट्वीट कर सेना का समर्थन किया है। उन्होंने सेना के आलोचकों को भी करारा जवाब देते हुए कहा कि हरियाणा में हर घर से एक बेटा सेना में जाता है। सेना की आलोचना करने वालों पर निशाना साधते हुए उन्होंने ट्वीट किया, 'बाढ़ से बचाओ,फिर पत्थर खाओ तब तक कुछ लोगों को परेशानी नहीं है। अब जब सेना ने मारा नहीं बस हाथ-पैर बांध दिए तो चिंताजनक स्थिति हो गई।' इसके साथ उन्होंने का प्रयोग किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा राष्ट्रीय हिन्दी मेल, प्लॉट नम्बर-3, लिंक रोड नम्बर-3, पत्रकार कॉलोनी के पास, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)